प्रभात खबर \ झारखंड

चार वर्षों से रस्सी में बंधा है ननक बिरहोर

हंटरगंज (चतरा)

- पैसे के अभाव में नहीं हो पा रहा है इलाज

हंटरगंज (चतरा). प्रखंड के गोपालपुर बिरहोर कॉलोनी के 14 वर्षीय ननक बिरहोर को चार वर्ष से रस्सी से बांध कर रखा गया है. मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण मां बसंती बिरहोर व पिता सिक्कम बिरहोर ननक को हमेशा रस्सी में बांध कर रखते हैं. ननक की मां बसंती ने बताया कि पेट भरने के लिए पैसा नहीं है. ऐसे में बेटे का इलाज की बात तो दूर है. दातून व रस्सी बेच कर परिवार चला रहे हैं. बसंती ने बताया कि ननक की स्थिति 10 वर्षों तक ठीक थी. उसके बाद उसकी दिमागी हालत खराब हो गयी. एक बार स्वास्थ्य उपकेंद्र हंटरगंज ले गये थे. वहां एक दो गोली देकर वापस घर भेज दिया गया था.

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा

दैनिक भास्कर

रांची, शनिवार 17 अक्टूबर, 2015 5

विक्षिप्त ननका बिरहोर को भी इलाज के लिए रांची भेजा जाएगा

बिरहोर टोला पहुंची टीम।

हंटरगंज | प्रखंड के हिरिंग गांव के बिरहोर टोला गोपालपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की एक टीम वर्षों से जंजीरों में जकड़े ननका बिरहोर (पिता सिक्किम बिरहोर) को देखा। टीम में चिकित्सक डॉ. मो. इसरारुल हक, बीडीओ मो. आफताब अहमद, सीओ जयवर्धन कुमार एवं जिला विधिक प्राधिकार के अधिवक्ता सत्येंद्र प्रसाद सिंह, पीएलवी सत्येंद्र दास, मिथिलेश कुमार एवं बाल संरक्षण के भुवन भास्कर शामिल थे।

ननका बिरहोर पिछले पांच वर्षों से मानसिक रोग से विक्षिप्त है। उसके परिजन उसे हमेशा बांध कर रखते हैं। प्राधिकार की उक्त टीम हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति डीएन पटेल के निर्देश पर जिला विधिक प्राधिकार चतरा के अध्यक्ष सह पीडीजे जयप्रकाश नारायण पांडेय द्वारा भेजी गई थी। अधिवक्ता सत्येंद्र प्रसाद ने बताया कि विक्षिप्त बिरहोर को बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा

प्रभात खबर

रांची, शनिवार, 17 अक्तूबर, 2015 आश्वि

हंटरगंज, चार वर्षों से रस्सी में बंधा है ननक

डालसा ने मांगी ननक बिरहोर की रिपोर्ट

प्रतिनिधि, हंटरगंज

- बीडीओ और सीओ पहुंचे ननक को देखने
- प्रभात खबर ने ननक बिरहोर की छापी थी

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेपीएन पांडेय के निर्देश पर विक्षिप्त ननक बिरहोर को देखने शुक्रवार को बीडीओ, सीओ व चिकित्सक गोपालपुर बिरहोर कॉलोनी पहुंचे. प्रभात खबर में शुक्रवार को खबर छपने के बाद झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष सह न्यायमूर्ति डीएन पटेल ने मामले का संज्ञान लिया. न्यायमूर्ति पटेल ने डालसा के अध्यक्ष व सचिव से ननक से संबंधित रिपोर्ट मांगी. बीडीओ आफताब आलम ने बताया कि ननक की मां बसंती देवी से जानकारी ली गयी है. शेष पेज 19 पर

डालसा ने मांगी...

रिपोर्ट जिला जज को भेजेंगे. ननक चार वर्षों से मानसिक रूप से बीमार है. पैसे के अभाव में उसका इलाज नहीं हो पा रहा है. टीम में शामिल लोगों ने ननक को इलाज के लिए रिनपास भेजने की बात कही है. इस मौके पर बिरहोरों ने बिरसा आवास में दरवाजा व खिड़की नहीं लगाये जाने की शिकायत की. बीडीओ ने खिड़की व दरवाजा शीघ्र लगाने का आश्वासन दिया.

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा

07 • रांची • शनिवार • 17 अक्तूबर 2015 हिन्दुस्तान

बिरहोर टोला का निरीक्षण

हंटरगंज। जिला विधि सेवा प्राधिकार मे अध्यक्ष जयप्रकाश पांडे और सचिव तौफिक आलम के निर्देश पर सीओ जयवर्द्धन कुमार और बीडीओ आफताब अहमद ने गोपालपुर बिरहोर टोला का निरीक्षण किया ।

बिरहोरों का स्वास्थ्य जांच चिकित्सक डा इसरारूल हक ने किया । इसके बाद बिरहोरो के रहन सहन की जांच की गयी। बीडीओ और सीओ ने बिरहोर अवास में दरवाजा और खिड़की अविलंब लगाने का निर्देश संवेदक को दिया ।

बिरहोरो ने बताया कि दरवाजा नहीं रहने के कारण सामान चोरी हो जाती है। वही आंधी तूफान मे बिरहोर अवास के कई करकेट टूट गया । इसे मरम्मत कराने का आश्वासन दिया गया।

ननक बिरहोर को लाया गया सीआइपी

जस्टिस डीएन पटेल के निर्देश पर सीआइपी लाया गया ननक को.

प्रभात इंपैक्ट

मानसिक रूप से विक्षिप्त है ननक बिरहोर

चार वर्षों से रस्सियों से बांध कर रखा गया

रांची. चतरा जिले के हंटरगंज प्रखंड के गोपालपुर बिरहोर कॉलोनी के ननक बिरहोर (मानसिक रूप से विक्षिप्त) को शनिवार को केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान रांची (सीआइपी) भेजा गया. झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति डीएन पटेल के निर्देश पर उसे सीआइपी, रांची भेजा गया. शुक्रवार की शाम डीआरडीए डॉयरेक्टर ज्योत्सना सिंह ने भी गांव पहुंच कर ननक के बारे में जानकारी ली. डालसा के अध्यक्ष सह जिला जज जेपीएन पांडेय व सचिव तौफिक अहमद ने अधिवक्ता सत्येंद्र सिंह व पीएलवी से ननक से संबंधित रिपोर्ट मांगी थी. मालूम हो कि ननक चार वर्षों से रस्सियों से बंधा था. प्रभात खबर में 15 अक्तूबर को ननक से संबंधित खबर प्रकाशित होने के बाद झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ननक को रिनपास भेजने का निर्देश दिया था.